

असाधारगा EXTRAORDINARY

> भाग III—खण्ड 1 FART III—Section 1



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 33] नई विल्ली, बुधवार, विसम्बर 5, 1984/अग्रहायस 14, 1906 No. 33] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 5, 1984/AGRAHAYANA 14, 1906

> इस भाग में भिम्म पृष्ठ संख्या की भाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

आयक्तर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की धारा 269 घ (1) के आधीन सूचनाए कानपुर, 26 न्यम्बर, 1984

निदेश न ए.म-682/84-85 — अत. मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ज के आधीन सक्षम आधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी स॰ ''''हैं तथा जो पठाकपुर। सह।रनपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय महारनपुर, में, रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तार्राज्व 29-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृष्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय को बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसो धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती

द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- डा. निलनेश कुमार,
 पुत्र स्व. डा. बुद्ध प्रकाण,
 मोती भवन,
 रानो बाजार,
 सहारनपुर, (अन्तरक)
- श्रो वोरेन्द्र कुमार जैन,
 पुत्र डा. रुप चन्द जैन,
 छत्ता जम्बूदास, सहारनपुर (अन्तरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से
 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील 30 की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो क्षायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्थित, पठानपुरा, जि. सहारनपुर

तारीख: 26-11-84

मोहर :

*जो लागुन्हो उसे काट दीजिए।

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (ACQUISITION RANGE)

NOTICES UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kanpur, the 26th November, 1984

M-682/84-85.—Whereas, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.....situated at Pathakpur, Saharanpur (and

more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur, under registration No. 3014 dated 29-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Nalinesh Kumar Slo Late Dr. Both Prakash, Moti Bhawan, Rani Bazar, Saharanpur.

(Transferor)

 Shri Virendra Kumar Jain S|σ Dr. Roop Chand Iain, Chatta Jambu Das, Saharanput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plots at Pathakpur Distt. Saharanpur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable,

निवेश नं. एम-689/84-85--अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 4216 से 4230 एवं 4237 से 4240 है तथा जो नानीना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय देववन्व में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 28-3-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बल्जार मल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया व्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जान। चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री राम सिंह, पुत्र छण्जू,
 नि. पुराना बस स्टैंड,
 परगना हनपुर तह. देवबन्द,
 जि. सहारनपुर (अन्तरक)
- 2. श्री धर्मपाल व कंबर पाल सिंह व चन्द्रपाल लिंह, सुपुत्र भरत सिंह राजपूत, नि. पर. रामपुर-देवबंद,

जि. सहारनपुर, (अन्तरितो)

को यह सूचका जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारि ख से
45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी क्यकितयीं पर
सूचना की तामील 30 की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं. 4216 से 4230 एवं 4237 से 4240 आदि स्थित ग्रा. नानीना,

पर. रामपुर तारीखा: 26-11-84

मोहर:

*जो ताम् २ हो उसे काट दीजिए ।

M-689|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised Central Government in this behalf under by the authorised Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 4216 to 4230 & 4237 to 4240 situated at Nanota, Deoband (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoband under registration No. 1283 dated 28-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Ram Singh S/o Chajju & others; Nangots M-Afgane (Purana Bus Stand) Deo Band. (Transferor)
- 2. Shri Dharampal Singh & Kunwarpal Singh & others, Par: Rampur-Deoband Distt. Saharanpur.

(Transfore e

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land at Nanaual.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

नं. एम--691/84-85:--भ्रतः मुझे जे. पी. हिलोरी, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चास् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 से श्रीधक है भीर जिसकी सं. 93/1 है तथा जो रिथानो, मेरठ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-3-84 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पूर्वीरत की गई है श्रीर मुझे यह विण्वास करने का कारण 📆 कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसेंके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से फ्रांधक है भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 वा 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (ख) ऐसे किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1861 (1961 का 43) या धन-एर अधिनियम नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ

अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विध्या जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए

श्रतः श्रव उत्तर अधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रीधनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के श्रधीन, निम्नालाखत व्याक्तयों श्रधीत् :--

- श्रो प्रदोप कुमार, सुपुत्र सन्तोष कुमार, ग्रास मोहन, सुपुत्र ओम प्रकाश, अनिल कुमार, सुपुत्र महेस चन्द्र, गढ़ रोड़, मेरठ (अन्तरक)
- श्रा सतेन्द्र कुमार अमित कुमार, नरेन्द्र कुमार, जैनेन्द्र कुमार, देवेन्द्र कुमार आदि, सुपुत्र शातल प्रसाद, सदर मेरठ (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्त्राक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की धवधि, जो भी भ्रवाध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उपत स्थ वर सम्पत्ति में हितबद्ध किशी अन्य व्याक्त द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दो ग्रौर पदी, का जो श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनसूची

93/1 स्थित रिथाना, मेरठ।

तारीख : 26-11-84

मोहर:

*जो लाग् न हो उसे काट दीजिए।

M-691 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 93 1 situated at Rithan Meetut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut, under registration No. 4374 dated 29-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and trans-

ferce (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income assing from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Pradip Kumar S/o Santosh Kumar Girish Mohan S/o Om Prakash, Anil Kumar S/o Mahesh Chand R/o Gath Road, Meerut (Transferor)
- Shri Satyandra Kumar Amit Nandan Kumar, Jainendra Kumar, Davendra Kumar, Rajendra Kumar, S|o. Shital Prasad R|o. Sadar Meerut.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

93/1 Situated at Rethani, Meerut.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

 मूल्य से कम के दुस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथा पुर्वीक्त सम्पास का उचित बाजार मृल्म, उसके दुस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत स प्रधित है अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरती (अन्तरिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिविक रूप में विथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देव के अन्तरा के दायित्व में घमी करने या उसने बचने में स्विध, के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य
 आस्त्या की जिन्हें भारतीय प्रापकर
 अधिनयम, 1922 (1922 की 11)
 या श्रायपर प्रधिनयम, 1951 (1961 का 43)
 या धन-पर अधिनयम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रपाजनार्थ अन्तरिती हारा प्रदेट नहीं विद्या
 गया या जा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा को लिए

श्रतः, यब, युक्त आधिनित्य की धारा 269म के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रीधानयम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थान् :--

- श्रा छाजूमल, मुपुत्र माहन लाल, 229, हपला मोहल्ला, सदर, मेरठ, (अन्तरक)
- श्वा श्राचन्द जैन,
 सुनुत्र मुरारा लाल
 सुनाल कुमार जैन, सुधार कुमार आदि
 सुपुत्र श्वाचन्द,
 664, ब्रह्मपुरो, मेरठ, (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवा[ह्यां गुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :→-

- (१०) इस स्चाना के राजपत्त मे प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की श्रवांध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवांध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो श्रायकर श्राधानियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिमाधित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

224 नया न. 155 स्थित, बागपत गेट, मेरठ

तारीख : 26-11-84

मोहर :

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

M-695|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 224|155 situated at Baghpat Gate Mcerut (and more fully described in the schedule below has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut, under registration No. 3955 dated 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Chhajju Mal S/o Mohan Lal 229 Dhalbi Mohalla Sadar, Meerut. (Transferor)
- Shri Sri Chand Jain S/o Murari Lal Sunil Kumar Jain, Sudhir Kumar etc. S/o Sri Chand 664 Brah mapuri, Meorut. (Transferece)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the

date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

224 New No. 155 Situated at Baghpat Gate, Meerut.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

नं.एष-683/84-85.--अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर आधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चास 'उक्त द्याधनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं. '''' है तथा जो पठानपुरा सहारनपूरमें स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्राधकारी के कार्यालय सह। रनपूर मे, रजिस्ट्रीकरण श्राध-1नयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से यक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः, श्रव, युक्त श्रधिनियमं की धारा 269गं के धनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियमं की धारा 269 गंकी उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :—

 डा. निलनेश कुमार, सुपुत्र स्व. श्री बुध प्रकाश, मोती भवन, रानी बाजार, सहारतपुर, (अन्तरक) श्रीमर्ता अरुणा जैन,
पित्न बोरेन्द्र कुमार जैन,
छत्ता जनुनादास, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचन। के र.जपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविंश, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविंध, को भी श्रविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 बन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट स्थित पठानपुरा, सहारनपुर ।

तारीख: 26-11-84

मोहर:

^{*}जो लागू **र हो** उसे काट दीजिए ।

M-683 84-85.—Whereas, I, J. P. being the Competent Authority authorised the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Pathanpur, Saharanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur under registration No. dated 29-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducation or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the urposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Dr. Nalinesh Kumar, S/o Late Sri Budh Prakash, Moti Bhawan, Rani Bazar, Saharanpur.

(Transferor)

2. Smt. Aruna Jain, W/o Sri Virendra Kumar Jain, Chatta Jambu Das, Saharanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land at Pathanpura, Distt. Saharanpur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable,

निदेश ٦i. एम-684/84-85 .-- श्रतः मझे जे. पी. हिस्रोरी, भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000 रु० से श्रधिक है और जिसकी सं. 5638 है तथा जो प्रहलाद नगर, मेरट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 31-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरूय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, **ऐ**से दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से युक्त, भ्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से भिथत नहीं किया। गया है:---

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रमीन गर देने के अभारक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुबिधा के ।लगः, और/या

(ख) ऐसे किसी मान या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें नारतीय भ्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या आयतर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ धनारती द्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुत्या के लिए।

श्रतः, श्रव, उक्त स्वानियम की धारा 269म्ब्रेके श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रीधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नालिखत व्यक्तियों, श्रथीत् :--

 श्री अनूप सिंह, मुपुत्र किशन सिंह, 276, सिविल लाइन्स, भेरठ सिटा,

(अन्तरक)

 श्रोमतो कमला ठाकुर, पत्नि श्रो हमपाल सिह आदि
 न्यू केदार नाथ भवन, मुरादाबाद,

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करना हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, कै भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से ियी व्यक्ति के बारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की कारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखन में रिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--हर्भम प्रमुक्त गब्दा ग्रांर पदा था, जा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 वा 43) के श्रद्धाय 200 में परिशापित है, वही अर्थ होगा जा उस ग्रद्धाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट स्थित णोशा पार्क, कालोनो, (आर्य नगर), न्यू प्रह्लाद नगर, मेरठ ।

तारीख: 26-11-84

माहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

M-684|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act have

reason to believe that immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 5638 situated at Prahlad Nagar, Meerut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registeration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 24372 dated 31-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrumnet of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concelment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Anup Singh, So Kisan Singh, 276, Civil Lines, Meerut City (Transferor)
- 2. Smt. Kamla Thakur, Wo Sri Haspal Singh & others; 26, New Kedar Nath Building, Muradabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazettee or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Sheasha Park Colony (Arya Nagar) New Prahlad Nagar, Meerut.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-703/84-85:--अतः मुझे, जे. पी. हिसोरी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे । सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 289ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरुष 1,00,000/- २० से अधिक है और जिसकी सं. 212 है तथा जो सिविल लाइन्स, में स्थित है (और इसके उपायद अनुसूची में और पूर्ण इत्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिट्टी हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी तारोख 30-3-84 को पूर्वोक्त स्थासि के उचित बाज र मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने क। कारण है कि यशा विक्तिसम्पत्तिका अचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्भारप्रियात से अधिक है अंतरक (अंतरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्टविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः था उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधियनयम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्रोमतः सिंग गोयज,
 पित्न श्राम चन्द्र गोयल,
 मकान नं. 31 फूनबांग कालोनो,
 मेरठ (अन्तरक)
- 2. श्रो राम निवास सुरुव मगरू लाल, 31, फूनजाग कालोबो, मेरठ (अन्सरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हिसबा किसो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त गव्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंचवटो, 212, सिविल लाइन्स, मेरठ।

तारीख: 26-11-84

मोहर 🛭

*जो लागून हो उसे काट दीजिए।

M-703[84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value excoeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 212 situated Meerut Lines, (and more described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, No. 399 at Delhi under registration 30-3-1984 for an apparent consideration is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or ay money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acqvisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Smt. Shashi Goel W/o Srish Chand Goel R/o 31 Phool Bagh Colony Mecrut.

(Transforor)

2. Shri Ram Niwas S/o Mangoo Lal 31 Phool Bagh Colony, Meerut. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which; ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation: The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

212 Punchwati situated at Civil Lines, Moorut.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-721/84-85 -अनः मुझे, जे. पी हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-से अधिक है और जिमकी सं. ए 100 है तथा जो मास्त्री नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है),रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-2-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोत्तः लम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रशिक्त के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथपाया गया प्रतिका, निम्तलिखित छट्टेश्यों से युक्त अन्तरम, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरंण से हुई किसी भाग की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अब युक्तं अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- श्रो कृष्ण शुमार अग्रवाल, आफोसर्स फ्लैट नं. 10, मौलाना आजाद मेडिकल, दिल्लो (अन्तर्क)
 - 2. था। अमर नाथ सुपुत्र था। किशान लाल, एव श्रामतो सुमन गुण्ता, पत्नो श्रा बृजनन्दन गुण्ता, 212, गांधा नगर, गाजियांबाद (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे काई भो आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि, या तत्मम्बन्धो व्यक्तियों परसूचना की तामोल से 30 दिन को अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हातो हा, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (19.61 का 43) के अध्याय 20 क में परिमापित है, वही अर्थ हाना जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्थित शास्त्रानगर, गाजियाबाद ।

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागृन हो उसे काट दीजिए ।

M-721|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. A-100 situated at Sastri Nagar, Ghaziabad (and more

fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 20540 dated 7-3-1984 for an apparent, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or ay money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Krishna Kumar Agrawal, Officers' Flat No. 10, Maulana Azad Medical, Delhi (Transferor)
- 2. Shri Am'r Nath S/o Sri Kishan Lal & Smt. Suman Gupta W/o Sri Brijaandan Gupta 212, Gandhi Negar, Ghaziabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Shastri Nagar, Ghaziabad.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-729/84-85 :--ग्रतः मुझे, जे, पी हिलोरी, म्रायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' यहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन, सक्षम प्रशिक्तारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजा मूल्य 1,00,000 से श्रधिक है श्रांर जिसका सं. 667/1 है तथा जो ऋषिकेश, में स्थित है (भ्रीर इतने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता छिधिकारी के कार्यस्य, देहरादून में रांजस्द्रीकरण श्रांधाननम, 1908 (1908 का 16) के अधीन लारीज 5-3-84 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त संस्पति का उचित वाजार मृत्यं उसके दुग्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (फ्रन्तरिनियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त प्रनारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विजा गना है ---

- (क) अन्तरण से बुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधित्यम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बवने में मुनिधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय हर अधिनेयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनेयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं मुविधा के लिए।

अतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के ब्रनुगरण भें, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग की उपयारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- श्रोमतो विद्यावतो, श्रामतो विनोद मेहता, श्रामतो अंजू मेहता,
 46, हरिद्वार राड, देहरावृत (अन्तरिनी)
 - श्री राम लाल,
 20-बो, त्यागी रोड, देहरादून (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुक्क करता हूं । उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में काई भी भाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रवांग्र, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा, (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नाहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के अध्याय-20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

प्लाट स्थित, 667/1, ऋषिकेश ।

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो सागु श हो उसे काट वीजिए।

No. M-729|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 667|1 situated at Rishikesh (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under Registration No. 1704 dated 5-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate porceedings for acqvisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vidyawati, Smt. Vinod Mehta, Smt. Anju Mehta 46, Hardwar Road, Dehradun. (Transferce) 2. Shri Ram Lal, 20-B, Tyagi Road, Dehradun (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land Plot No. 667 1 at Rishikesh.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-730/84-85:--ग्रत: मझे, जे. पी हिलोरी, मायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चीत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000 से प्रधिक है भीर जिसकी सं. 181, है तथा जो राजपुर रोड, देहरादून, में स्थित है (भ्रौर इमसे उपाधद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-84 को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से अम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मह्य. उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तिरती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) शन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, आयकर शिधिनियम, 1961(1961का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी अन्य या किसी धन या अन्य झास्तियों की जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या श्रायकर श्रिधितिश्म, 1961 (1961 का 43) या धा-एर श्रिधित्सम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशर्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रम युक्त श्रधिति। ने, की घरा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिति। न की धारा 269-ग की उनधरा (1) के श्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों शर्थान्: --

- श्रो दिलकाग राय बहन, सुपुत्र स्व. धनपन राय बहल, आदि 301-एल ब्लाक, मेकर टावर, काफो परेड, कोनावा बम्बई (अन्तरक)
- श्रो अनित बहल, सुरुत्र श्रो अमृत लाल बहल, 181, राजरुर राड, देहरादून, (अन्तरितो)

को यह सूबना जारी करी पूर्वीक सम्मति के द्यर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उका सम्मत्ति के द्यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की श्रविध, जा भी श्रविध बाद में समाप्त हाती हैं।, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इप सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- - इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदों या, जो आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के शक्ष्माय 20-क में पारवाणित है, वही श्रर्थ होगा जो उन श्रद्धाय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं. 181, राजगुर राड, देहरादून ।

सारीख: 26.11.84

मोहर:

*जो लागु र हो उसे काट दीजिए ।

M-730/84-85.—Whereas, I J.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in his behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have leason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 181 situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and re-

gistered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun, under registration No. 1690 dated 2-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfe or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not occur or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Anil Bahl S/o Shri Amrit Lal Bahl 181, R. jpar Road, Dohradun (Transferee)
- Shri Dilbogh Rei Bohl S/o Lato Dhonpat Rei Bohl & others 301, L-Block, Maker Towers, Cuffe Por de Coluba, Bombay (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at 181, Rejpur Road, Dehradun.

Date: 26-11-1984.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश नं. एम-741/84-85:--अतः मुझे, जैं.पी. हिलोरो **भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसके पश्चात "अक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ख के अर्धान सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिलका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 21 एवं 22 है तथा जो भ्रोतंड ग्रांड ट्रंक मेरठ मे स्थित है (और इससे उन-बद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वाणा है), रजिल्ले कर्ता, अधिकार के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आर्घन तारीख 6-3-34 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का छविन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिते (अन्तिरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से युक्त अन्तरग, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अनारम से हुई किसी आय की बाबा, आयकार अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमा करते या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, मैं छक्त अधिनियम की धारा 269ग को छा-घारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्रीमती निथया देती, 239, टंकी मोहत्ला सदर, मेरठ (भ्रन्तरक)
- श्रीमतो कोगल्या धती मंगः रंग साज मोहल्या सदर भेरठ श्रीमती प्रीति सेठ, 1/4, बेंग्म बाग, भेरठ शहर (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारो करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियौ शुरू करता हूं। एकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जी भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध

कितो अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्तातरो के पास जिख्यित में किए जासिनो।

स्तर्व्हीं करमः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आमहर अमिता, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिताणि। है, वहों अर्थ होना जा उस जध्याय में दिया गया है।

अनु:नूच(

दुकान नं. 21, 22 बतालाखनः, दुकान स्थित श्रील्ड श्रीड ट्रंज राष्ट्र, भरठ

तारीख: 26-11-34

माहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

M-741/84-35.—Where is, I J.P. Halori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and dearing No. 21 and 22 situated at Old Grand Trunk Meorut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 o. 1908) in the office of the Registering Officer at Mecrut under registered No. 3213 dated 6-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such manifer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not seen truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Nathia Davi, 239, Tanki Mohalla Sadar, Magnut (Transferor)
- 2. Sant. Kaushilyawanti Mauga Rangsi j, Mohalla Sadar Moorut & Sant Priti Seth, 1/4 Bogha Bagh, Meorut City (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 21, 22 & Balakhang at Old Grand Trunk, Monut.

Date: 25-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-749/84-85 :--अा: मुझे जे.पी. हिलीरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात ''उनन् अधिनियम'' कहा गया है) की धारा 269ख के जाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका छिना बाजार मृत्य 1.00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 771/11,765/766 है तथा जो गहन (र स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्भूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिसारों के कार्यातय ददरो में, रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 12-3-84 की पूर्वीका समात्ति के छिनत बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्नरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सन्त्रति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यपान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन के पन्द्रह प्रतिया से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अनिरिशें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित उद्वेश्यों से युवन अनारण, लिखिन में वास्तिवह रूप से कयित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरम से उई कियो आब को बारन, आब कर जिस् नियम, 1961 (1961 का 43) के अओन कर देने के अन्तरक दायित्व में जमी करने या छात्रे वनने में मुनिया के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269ग की छन-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान् :—

- श्री गोताल निह पुत्र हरवंश निह नि. मकनपुर तह. दादरी, जि०-गाजियाबाद (भ्रान्तरक)
- 2. जागृति सहकारी आवास मिनित लि. द्वारा राजाराम पाडे सचिव,

25, तवरुण मार्केट, गाजियाबाद (म्रान्तरिती)
का यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यगिहियाँ गुरू करता हुं। उक्त
सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आशेप:→→

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशत को तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धो ब्यक्तियों पर सूबना की तामिल 30 दिन की अविधि, जा भी बाद में समाप्त हातो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उन्न स्यावर सम्मित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकेंगें।

स्पर्वटीकरण :---इनमें प्रमुक्त ग्रह्मों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिनाधित है, यहा अर्थ हागा जा उप अध्याय में दिया गया है।

अनु पू**ची**

ख. नं. 771/1, 765/1, 766 मकार तह. दादरी, जि. गोजियाबाद

तारीख: 26-11-1984

माहर:

*जो लागु न हो उसे काट दीजिए।

M-749|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 771 1 situated at Makanpur Dadri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 1068 dated 12-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone, or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gopal Singh S/o Herbans Singh R/o Makanpur, Toh. Dadri, Distt. Ghaziabad. (Transforor)
- M/s. Jagrity Sahkeri Avas Samiti Ltd., Ghaziabad through Shri Reja Ram Pandoy (Secy.)
 Navyug Market, Ghaziabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 771/1, 765/1, 766 Makanpur Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-757/84-85:-प्रतः मुझे, जे. पी. हिलोरी मायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- से प्रधिक है और जिसकी सं. है तथा जो प्लाट सहारनपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विण्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकुर सहारनपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 7-3-84 को पूर्षोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधानुक्ति सम्पति हा उपायह कि प्रधानुक्ति सामारित हा उपायह सि

बाजार मूरुय, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतियात से प्रधिक है धन्तरक (भन्तरकों) धाँर अन्तरिती (भन्तरियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त धन्तरण, लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिल्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

भतः श्रव युक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, भें उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- श्री रशीद घहमद पु. शकी शईद घहमद
 न. मोहम्मद गुलाम, कस्वा गंगाह पा.-खस तकुड़ जिला सहारनपुर (भ्राप्तरक)
- श्री करण सिंह, रमेश कुमार श्रांदि पु.
 गासल सिंह नि.-कमहेड , पा.--गंगीह
 नि.इ.इ जिला--महारनपुर (भ्रासिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रार्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रौर पदों का, जो स्नायकर प्रिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

एक ब्लाट न. 4409 वर्ग फुट, सहारनपुर

तारीख: 26-11-34

मोहर:

*जो लागू २ हो उसे काट दीजिए।

M-757/84-85.—Whereas, I, J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Plot, Saharanpur and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakur (Saharanpur) under registration No. 1717 dated 7-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Rasid Ahmad S/o Saffi Said Ahmad, R/o Mohamad Gulam Kasba Gangoh, Post-Khas, Nakur Distt. Shaharanpur. (Transferor)
- 2. Shri Karan Singh, Ramesh Kumar others S/o Bhopal Singh R/o Kam Hoda, Post Gangoh, Nakur Distt. Saharanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One Plot 4409 Sq. Feet.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

1202 GI/84—3

निदेश नं. एम-754/84-85 :-अधः मुझे जें ॰पी ॰ हिलोरी. न्नायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/--से अधिक है और जिसकी सं. 770-771 है तथा जो मकनपर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्रय से वॉणत हैं') रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 12-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से भाधक है भन्तरक (भन्तरकों) श्रौर भन्तरिती (भ्रत्सरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यीं से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये भीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

भ्रतः श्रव युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अचित् :—

- श्री हरकेश पुत्र फकीरा निवासी मकनपुर, तह. दावरी, जिला-गाजियाबाद (ग्रन्तरक)
- म. जागृति सहकारी आवास समिति लि., गाजियाबाद द्वारा राजाराम पान्डे सचिव 25, नवगुग मार्केट, गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की घर्वांत्र, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की घर्वांत्र, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति के द्वारा । (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त मब्दों और पढ़ों का जो श्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

खसरा नं. 770, 771 स्थित मकनपुर तह.-दादरी, जिला--गाजियाबाद

तारीख:-26-11-84

मोहर:

*जो लाग् व हो उसे काट दीजिए।

M-754 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, (961 (43 of 1961), hereinalter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 770, 771 situated at Makanpur Dadri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 1070 dated 12-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Harkesh S/o Fakeera R/o Makanpur Teh. Dadri Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

 M/s. Jagriti Sahakari Avas Samiti Ltd. through Shri Raja Ram Pandey (Secy.) 25 Navyug Market, Ghaziabad (Transforce) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 770, 771 at Makanpur Teh. Dadri Ghaziabad.

Dated: 26-11-1984.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं.~एम-762/84-85--धतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000→ से प्रधिक है और जिसकी सं. — है तथा जो सहारनपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से र्थाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार. में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-3-84 को पूर्वीका गणति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यभान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मश्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य. उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है अंतरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरितो (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अंतरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में दानी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकार श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकार ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुनिधा के लिये

अतः अव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्यात् :---

- श्री पूरनचन्द पुत्र धन्नामल
 नि ग्राम जुम्बा, जिला भटिण्डा (पजः ब) (श्रन्तरक)
- 2. श्री जयप्रकाण दुबे, पुत श्री भूपेन्द्र प्रसाद, नि.-देवपुरा, ह्रिद्धार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां श्रक्तकरना हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जासकोंगे।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रद्धाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम श्रद्धाय में दिया गया है।

भ्रनसूची

भूमि, ग्रहमदपुर

तारीख : 26-11-1984

मोहर :

*जो लागु ५ हो उसे काट दीजिए ।

M-762|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market Rs. 1,00,000 and bearing situated at Shaharanpur and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar under Registration No. 768 dated 30-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or; (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Puran Chand S/o Dhanna Mal,R/o Village Jumba Distt. Bhatinda (Punjab) (Transferor)
- Shri Jai Prakash Dube S/o Shri Bhopendra Prasad Dube R/o Deo Pura Hardwar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice ir the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot Ahmadpur.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेण नं. एम-763/84-85:—श्राः मुझे जे.पी. हिलोरी श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/— से श्रधिक है और जिसकी मं० है तथा जो श्रहमदपुर में स्थित है और जिसकी मं० है तथा जो श्रहमदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्षा श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-3-84 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से श्रधिक

है भन्तरक (भ्रम्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसे फिसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायक्तर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायक्तर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कार श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए

मत: श्रव युक्त मधिनियम की धारा 269य के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात :-

- 1. पुरतपन्य पुत्र श्री धन्नामल निवासी-ग्रा. जुम्बा, भटिण्डा (पंजाब) (मन्तरक)
- श्री जय प्रकाश दुवे पुत्र भूपेन्द्र प्रसाद दुवे ति : देवपुरा, हरिद्वार सहारनपुर (भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू सरता हूं। उक्स सम्पति के धर्जन के, सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क्ष) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची •

भूमि—महमदपुर

सारीख: 26-11-84

मोह्रर ;

*श्रो लागुन हो उसे काट दीपिए।

↑

M-763/84-85.—Whereas, I, J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000 and bearing situated at Ahmadpur (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hardwar under Registration No. 769 dated 30-3-84 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Puran Chand S/o Dhanna Mal R/o Jumba Bhatinda (Punjab) "(Transforor)
- Shri Jai Prakash Dube S/o Upondra Prasad Dube R/o Deopura, Hardwar (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot-Ahmadpur.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

कानपुर, 28 मधम्बर, 1984

निदेश नं. के-59/84-84 :--- मतः मुझे जे.पी. हिलोरी आयफर अधिनिधम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269ख के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मृहय 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं० 29/15/75 है तथा जो बावाचाट, परमट में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीक्ली अधिकारी के कार्यालय, कामपुर में रिकस्ट्रीकरण बाधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ... को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यैमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ध्यापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुग्धमान प्रतिफल से ऐसे दुग्धमान प्रतिफल के पनद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आध की बाबन, आधकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब युक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसङ्ख्या में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित क्यिंकतयों, अर्थात्:→

- 1. श्री द्वारकाधीश सहकारी श्रावास समिति लि॰ 17/3, दिमाल, कानपुर
- 2. श्री विजय कुमार जैन एवं विनय कुमार जैन पुत्र सत्य नारायण जैन 71/146 ए सुतर खाना, कानपुर को यह श्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिनां मुद्ध करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसेप :~
 - (क) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाणन की सारीखा से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वनित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
 - (ख) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

ण्लाट नं. 29 बाबाघाट परमट, सिथिल लाइन्स कानपुर तारीख 28-11-84 मोहर:

"जो लागुन हो उसे काट वीजिए।

Kanpur, the 28th November, 1984

M-59/84-85.—Whereas, I J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 29|15|75 situated at Babaghat Permat (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5506 dated an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Dwarkadheosh Sahkari Avas Samiti Ltd., 17/3, The Mall, Kanpur (Transferor)
- Shri Vijay Kumar Jain, and Viney Kumar Jain, S/o Shri Satya Narain Jain, 71/146 A. Sutar Khana Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the

notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 29 Babaghat, Permat Civil Lines, Kanpur Date: 28-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

कानिपुर, 26 नवम्बर, 1984

निदेश नं. एम 601/84-85:-अतः मुझे जे.पी. हिलोरी (1961 季1 अधिनियम 1961 (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं०के.ई. 11 है तथा जा कविनगर गा० बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीमर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 30-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य मेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश:मान प्रतिफल से ऐसे दृण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) केबीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गथा प्रतिकल निम्त-निबित उदेश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में बभी कॉने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या,
- (ख) ऐसे किसी आय पा किसी घा या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.—

 श्री मुदर्शन लाल श्रनेजा पुत्र श्री दरबारी लास अनेजा नि.—वाई सी-6 नेहर नगर, गाजियानाय, तहसील अजिला—गाजियाबाद (अन्तरक) 2. श्रीमती निर्मला देवी गुण्ता पत्नी श्री पी पी गुण्ता नि. - 12 नवागंज, गाजियाबाद स्थापी निवास एम 22/7 हैंवल्कोनीज, जमशेदपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारत :
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पर्व्धाकरण :---इसमे प्रयुक्त णब्दों और पदा का, जो उक्त प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूर्वाः

्लाट नं, के० ई० 11 कवि नगर गाजिया**बा**द

तारीख: 26-11-84

मंहर:

*जो लागू न हो उसे काट दीफिए।

Kanpur, the 26th November, 1984

M-601 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. K.E. 11 situated at Kavi Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghazabad under Registration No. 22022 dated 30-3 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Sudarshan Lal Anaja S/o Shri Darbari Lal Anaja, R/o IIIrd E-6 Nehru Nagar Ghaziabad (Transferor)
- Smt. Neermala Devi Gupta W/o Shri P. P. Gupta, R/o 12 Naiagang Ghaziabad

(Transferec

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the vaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. K.E. 11, Kavi Nagar, Ghaziabad.

Da'e: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-604/84-85:--श्रतः मुझे जे. पी. हिलोरी प्रायनार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मह्य 1,00,000/- से श्रधिक है और जिसकी सं. 636 है तथा जो कवि नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 13-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मभी यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ़ल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफ़ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्यों से युक्त भन्तरण, सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया एया है।

> (कः) प्रन्तरण से हुई सिनी ग्राय की वाबत, ग्रायकर ग्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) के ग्रावीन

- भार दर्श के प्रस्तारक के दाधिक्य में बामा करने सा उससे बचने में लविधा के लिए और/सा
- (ख) ऐसे किनी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

न्नतः भ्रव युक्त अधिनियम् की धारा 269 ग के भ्रनु-मरण में, मैं उक्त अधिनियम् की धारा 269 ग की उप-धारा (1) के भ्रधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीन् :---

- श्री कर्नल विपिन चन्द्र जैन पुत्न श्री मूल चन्द्र जैन निवासी-एस 219ग्रेटरक लाग, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- श्री ह्री मूषण वसल, पुत्र स्व. श्री प्रहलाद सिंह निवासी-बी-80 सर्वोदय इन्क्लेव, नई दिल्ली-17 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के सम्बन्धे मे कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की श्रविध, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विश्मी व्यक्ति के धारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो भ्रायकार श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20हा में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं, के, एस, कवि नगर, गाजियाबाद ।

नारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लाग् न हो उसे काट दीजिए ।

M-604|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 636 situated at Kavi Nagar, Ghaziabad and more fully

described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 2002 dated 31-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Colonel Bipin Chand Jain S/o Mool Chand Jain R/o S. 219, Groater Kailash, New Delhi. (Transferor)
- Shri Hari Bhosan Bansal S/o Late Shri Prahlad Singh R/o B-80 Sarvodaya Enclave New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. K. L-1 Kavi Nagar, Ghaziabad.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable,

निदेश नं. एम 605/84-85--- प्रतः मुझे पी. हिलोरी, भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा की धारा 269 ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को विश्वास करने का क्षी रण है सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 1,00,000/- से प्रधिक है और जिसकी सं०.....है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्दीकरण श्रिधिमियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 23-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्यों से युक्त भन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से किया कथित महीं गया है

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिध-नियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269 म के भनृ-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रियत्—

- 1. श्री संजीव भूमार पुत्र श्रप्रसे । श्रादि भिवासी—बरवामो, 1, वेहराहून (श्रन्तरक)
- 2. श्री दिनेश जैन घादि पुत्र श्री सुरेश चन्द जैन निवासी—4 रेसकोर्स देहरादून (अस्तरिती) को यह सूचना आरी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए शर्यांत्रादियां सुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध, या तत्त्वम्वन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि--देहरादून

तारीख : 29-11-84

मोहर :

*जो लागु न हो उसे काट दीजिए ।

M-605/84-85.—Whereas LJ.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Acr, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Agricultural Land (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 2226 dated 23-3-84 for an apparent consideration which is less market than the fair value of said property by more than fifteen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Sanjeev Kumar, S/o Uagarsen & others, R/o Darbari I, Dehradun. (Transferor)
- Shri Dinesh Jain & others, S/o Shri Suresh Chand Jain, R/o 4, Race Course, Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. 202 GI/8 4—4

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land-Dehradun.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश मं. एम-607/84-85--- अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धा, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 7/1 है तथा जी देहरादून में स्थित है (और इससे उपाधक अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, देहराइन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तीरती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उनधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री एस. पी. म्राह्जा, पुत्र श्री वी. एल० म्राह्जा,
 नि. म्रंसारी मार्ग, देहरापून(म्रन्तरक)
- श्रो निरंजनलाल, पुत स्व. श्रो बिलायतो राम, पार्टनर मेसर्स डिसकत कारपोरेशन 34/बी बिन्दल रोड़, देहरायुन(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि वाद में समाप्त होनी हो, के भीनर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी: अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं. 7/1 देहराधून।

तारोख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू र हो उसे काट दीजिए।

M-607/34-85:—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 7/1 situated at Dehradun (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under Registration No. 49 dated 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afocesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri S. P. Ahuja,
 S/o. Shri B. L. Ahuja,
 R/o. 10, Ansari Marg, Dehradun (Transferor)
- Shri Niranjan Lal,
 S/o. Late Wilaity Ram, Partner
 M's. Diacon Corparation
 34/B Binda, Road Dehradun (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 7/1 Dehradun.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applieable.

निदेश नं. एम 609/84-85:—-ग्रनः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं 38 है तथा जो देहराइन में स्थित है (और इससे उराबद्ध अन्भूचो में और पूर्णरूप

में बर्गा है), रिजिस्ट्राकर्श अधिकारों के कार्यालय देहरादून में, रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतोय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, युक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री लक्खां मल पुत्र श्री गोविन्ददास ग्रीर श्रीमती माया देवी पत्नी श्री लक्खा मल नि० 38 नशवीला रोड, देहरादून (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जे. पी. गर्ग श्रीर श्रीमती श्राशा गर्ग नि० 26 नशर्वोला रोड. देहरादून ... (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्र
 सूचना की तामील से,30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में पारिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंधा है ।

अनुसूचो

प्रापर्टी नं.-38 नशवीला रोड, देहरादून

तारांख: 26-11-84

मंहर:

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

M-609/84-85: -Where as, I. J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter reterred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 38 situated at Nashvilla Road (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 2123 dated 20-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- Shri Lakha Mal, 'S/o. Shri Govind Mal, and Smt. Maya Devi, W/o. Shri Lakha Mal, R/o. Nashvilla Road, Dehradun (Transferor)
- 2. Shri J. P. Garg and Smt, Asha Garg, R/o. 26 Nashvilla Road, Dehradun (Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the

said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 38 Nashvilla Road Dehradun.

Date: 26-11-84.

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निवेश नं . एम-620/84-85 :---ग्रनः मुझे, जे . पी . हिलोरी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चाल 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के धाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से प्रधिक है धौर जिसकी खं० नं० 47 है तथा जो महो उदीनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः, अब, युक्त श्रधिनियम की घारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा(1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--

- श्री ब्रह्मजीत पुत्र श्री हरवंश त्यागी नि.-ग्राम महीउद्दीनपुर, मैनापुर, पर. जलालाबाद, गाजिया-बाद '''' (श्रान्तरिक)
- 2. मैं. स्टील श्रयारिटो श्राफ इंडिया लि. रिज. कार्यालय, इस्पात भवन इन्टीग्रेटिड श्राफिस काम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई विल्ली-3 तथा शाखा एवं बिक्री कार्यालय पो. बाक्स 103, 69,70, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद (श्रन्तरिती)

को यह यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

खसरा मं. 47, स्थित महो उद्दीनपुर, मैनापुर पर. जलालाबाद, गाजियाबाद

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

M-620/84-85:—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Khasra No. 47 situated at Mohindeenpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21839 dated 31-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Brahmjeet,
 - So. Shri Harbans Tyagi,
 - Rlo. Vill. Mohiudeen Pur Mainapur,

Per-Jalalabad, Distt. Ghaziabad (Transferor)

M|s. Steel Authority of India Ltd.
 Gaziabad, P. Box No. 103, 6970
 Navyug Market, Ghaziabad (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expire; later;
- (b) by any other person interested in the s id immovable property within 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 47, at Mohuideen pur Mainapur Per-Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

Date: 26-11-84.

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-616/84-85:-- अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, श्रायकर ऋधिनियम 1961 (1961 का 43)(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी मं. घार-9/179,है तथा जो राजनगर गाजियाबाद, में स्थित है (ग्रौर इसये उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-84 को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रौर भ्रन्तिरती(भ्रन्तिरयो) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीत कर देने के अन्तरक क दायित्व में नभी नरने मा उससे बचने में सुविधा के लिए और/य

(ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922(1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त अधिनियम की धारा 269ग के श्रनुमरण में मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात :--

- श्रीमती तारा सिंह पत्नी जगदीश सिंह नि. कचहरी कम्पाउंड, गाजियाबाद, व हैसियत मुख्तार आम आर सेश्रीराम लाल कपूर पुत्र श्री वैष्णा दास कपूर एम 7-C-789, फरीदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती विद्या सिंह पत्नी जितेन्द्र मिंह व श्री विणाल मिंह श्रीदि, नि. ग्रा. व पोस्ट. इरनी, तहसील लालगंग जिला श्राजमगढ......(श्रन्नरिती) का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता, हू। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी थाक्षेप:--
 - (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
 - (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो श्रायकर श्रीधनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही शर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति न श्रार/9/179, स्थित राजनगर, गाजियाबाद नारीखः 26-11-84

माहर:

*जो लाग ह हो उसे काट दीजिए ।

M-616/84-85:—Where as, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 and bearing No. R 19,179 situated at Raj Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21931 dated 30-3-84 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and transferee(s) has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (_/ of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Smt. Tara Singh,

W/o. Jagdish Singh,

Rlo. Kutcheri Compound, Ghaziabad.

(Transferor)

2. Via. Ramlal Kapoor M7-C-789 № ukhtar Am, Faridabad and Vidhya Singh Woo. Jaitendra Singh,

R/o. V. & P. Irni, Teh. Lalganj,

Distt. Azamgarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. R-9/179, at Raj Nagar, Ghaziabad. Dated: 26-11-1984.

Dated . 20-11-170-

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-621/84-35—अतः मुझे जे. पी. हिलोरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिव बाजार सूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं.44M,47M&52M है तथा जो सेन्ट्रलवृत देहरादून में स्थित है (और इससे उपावड अनुभूची में और

पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-84 का पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित मे बाम्निक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आधकी वाबत आधकर आध-निधम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दालिय में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए ओए/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव युक्त अधितियम की धारा 269 ग के अनुसरण मे मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री विजयकुमार विन्डलास ग्रादि पुत्र श्री वेदप्रकाश विन्डलास, 53 ग्रार राजपुर रोड़ देहरांपून (ग्रान्तरिक)
- 2. श्री एम. कें. पीसे 'लास्टिक (प्रा. लि.) 18-ए, मुभाष रोड़, देहरायून........(ग्रन्तरक)

को यह मूचना जारी करके पूर्वितन सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की अवधि जोभी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजभन में प्रशासन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में पिए ता सहेंगे।

स्पट्ट ग्रा : - - इसमे प्राप्तन शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुपुर्ची

खेती की भान ।स्यत भहावेवाला सेन्ट्रनयून, देहरादून

तारीख: 26-11-84

महिर:

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

M-621|84-85.—Whereas, I, J P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 44-M, 47-M& 50-M situateed at Central Loon Ethradun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 2503 Dehradun under registration No. 30-3-1984 for an apparent tion which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Vinay Kumar Windlass and others Slo. Shri Ved Prakash Windlaas, 53 R, Rajpur Road, Dehradun (Transferee)
- 2. Messrs M. K. P. Plastics (P) Ltd., 18/3, Subhash Nagar, Dehradun (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land at Mohabewala Central Doon, Dehradun.

Dated: '26-11-84.

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश नं . एम-626 / 84-85 : ---ग्रनः मुझे जे . पी . हिलोरी, आयकर अधिनितम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उ'क्त अधिनियम' ऋहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/-से अधिक है और जिमकी सं. 183 है तथा जो . में. स्थित है (और इसमे) उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनिधम 1908 (1908 का 16) के अर्वान तारीख 26-3-84 की पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार महन से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गता है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आथ या किसी घन वा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा के निष्

अनः अव युक्त अधिनियम की धाः॥ 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धाः॥ 269म की उपत्रारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री मेहरवंद ख्जान पुत्र तेजा भ्रादि निः-हसनपुर भौवापुर श्र.-लोनो पो.-मकनपुर जिला गाजियाबाद......(अन्तरक)

2. श्राणा पुष्प विहार सहकारी ग्रावास समिति लि. गा. बाद द्वारा गोपाल दत्त पुत्र बच्ची राम नि.-12 विजय चौक लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92,.. (श्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परि ाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

ख . न. 183, ग्र.म-हमनपुर भोव।पुर

नारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू र हो उसे काट वीजिए ।

M-626|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 183 situated at Hasanfully described in the (and more schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadra under registration No. 1344 dated 26-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprty by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transfered for the purposes of the Indian icome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- Shri Mahar Chand Khajan,
 S/o. Teja Others,
 R/o. Hasanpur Bhowapur Pargana,
 Loni, Post, Makanpur, Distt. Ghaziabad
 (Tran sferor)
- Shri Ashapusp Behar, Sahkari Awas Samiti, Ltd. Ghaziabad, Through Gopal Dutt,
 S/o. Bachhi Ram,
 R/o. 12 Vijai Chowk, Laxmi Nagar,
 Delhi-92 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 183 Village-Hasanpur, Bhawapur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं० एम-618 84-85 ---- ग्रतः मुझे जे०पी० हिलोरी श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 से श्रधिक है और जिसकी सं० 45 है तथा जो मोहीउद्दीनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजिशबाद में, राजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाधीन तारीखा 15-12-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से युक्त

- ____ ___ ग्रन्तरण, लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नर्ह। किया गया है ।

- (का) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबा, प्रायकार श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीत कर देने के प्रसारक के दासिन्य में कभी करने या उसने बचने में मुविश्रा के लिए और/या
- (ख) ऐसे जिमी आय या किनी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या फ्रायकर प्राधितायम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर फ्रांधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, श्रव, युक्तः प्रधिनियम की धारा 269ग के श्रन-सरण में, मैं उक्त श्राधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अर्थीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत :---

- श्री छिद्दा पुत्र श्री ज्वाला स्थागी नि० मही-उद्दीतपुर, भैनापुरपर, जलालाबाद जिला, गाजिया-
- 2. में. स्टोल प्रथारिटी ग्राफ इंडिया लि. गाजियाबाद द्वारा श्रमिस्टेंट जनरल मैंनेजर श्री पी. ग्राप राघवन बी-1/2, होजख स, नई दिल्ली (3) (3) (3) (3)

की यह सचना जारी नरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवाध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किर्मा ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्राध्याय 20का में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रन्सूची

खसरा नं. 45, मही उद्दीनपूर, मैनापूर, पर. जलालाबाद, जिला. गाजियाबाद

सारीवः 26-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट धीजिए। 1202 GI/84-- 5

- Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 45, Mohiuddinpur, Per Jalalabad, Distt. Ghaziabad. Mainapur, Date: 26-11-84.

Seal

*Strike off where not applicable.

- MI-110 01-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 45 situated at Mohiuddinpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21844 dated 31-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
 - (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Chhidda, S/o. Shri Jwala Tyagi, R/o. Mohiuddinpur Mainapur Per. Jalalabad, Distt. Ghaziabad (Transferor)
- 2. M/s. Steel Authority of India Ltd., Ghaziabad, through Asstt. General Manager, Shri P. R. Raghwan R/o. B-1/2, Hauz Khaz, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in Official Gazette.

निदेश सं० एम-669/8 4-85 भन., मुझे जे० पी० हिलोरी, श्रायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात 'उक्त श्रक्षिनियम' कहा गया है) की धारा 269प के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने ला कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 से ग्रधिक है और जिसकी सं० 37 है तथा जो क्रिज ब्यू एक्सटैन्शन सहारतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची मे और पूर्ण रूप मे यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के नायालिय सहारतपुर मे, रजिस्ट्रीनः गण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 27-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मरने भा नगण्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्राधिक है ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्त-रिती (भ्रन्तरियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखत उद्देश्यो से युक्त श्रन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृखिधा के लिए और/या
 - (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन था श्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हे भारतीय ग्रायकर शिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. डा॰ रतनवन्द िमर किशन चन्द्र, नि भौ. किशनपुरा, सहारनपुर '''' (श्रन्तरक)
- श्रीमती निरमल रानी, पत्नी गांदर्गमलाल नि., कस्मोह कटेहड़, सहारनपुर ' ' (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध मैं कोई भी श्राक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की ग्रवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(श्र) इस यूचना के शहपन में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारी श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ध्रायकर ग्रीक्षानगम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, यही ध्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

श्रनृपूर्ची

प्लाट न ं 37, ब्रिज ब्यू एक्सटेन्यान भियान कम्भान्ड, सहरच्चप्र

तारोख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

M-669/84-85 :-- Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 37 situated at Bridge Bue Extn., Saharanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur under registration No. 2927 dated 27-3-1984 apparent consideration is less than than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1 Dr. Ratan Chand Pisar Kisan Chand, R/o. Kisanpura, Saharanpur (Transferor)
- Smt. Nirmalrani, W/o. Godson Lal, R/o. Kanboh, Katehada, Saharanpur (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or

a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Bridge Bue Extention, Saharanpur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश संब्युक्त-७७ । / ६४-८५ .--अतः, मुझे जेव ीव हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात 'जात अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त, जिसका डांचत बाजार मूल्य, 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं02/636/3 है तथा जो श्रम्बाला रोड़, सहारतपूर में स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारतपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकीं) और अन्तर्रितं (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युवत अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरम में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 थी बल्कतराय, पुत थी हाकमराय, निक्मी मा. रामत्त्रर, महारतपुर.....(प्रान्तरक) 2. श्री श्रगंक मेहरा, पुत्र श्री बरकतराथ नि. राम-नगर, सहारतपुर.....(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन को अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

थनुसूची

म. नं. 2/636/3 भ्राबादी अम्बाला रोड़, सहारतपुर

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

M-671/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 2|636|3 situated at Abadi, Ambala Road (and moree fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering. Officer at Saharanpur under registration No. 2865 dated 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisin, from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

1. Shri Barkat Ram,

Rlo. Ram Nagar, Saharanpur, (Transferor)

2. Shri Ashok Mehra,

So. Barkat Ram,

Rlo. Mohalla Ram Nagar,

Saharanpur (Transferee)
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

2|636|3 Abadi, Ambala Road, Saharanpur. Date: 26-11-84. SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं०एम-673/84-85:--अतः, मुझे, जे०पी० हिलोरो, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुरुष 1,00,000/- ह से अधिक है और जिसकी सं० 3903 है तथा जो रेलवे रोड़, ताहिर हसैन में स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथापाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री इरीश चन्द, पुत्र श्री किशान लाल, एवं श्रीमती दयावन्ती पितन श्री रमेश कुमार, एवं पुत्री किशान लाल, रेलवे रोड, पुरवा कम्बाह गेट, मेरठ '''' (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरवंश लाल, धर्मभिह एवं नरेश, पुत्र श्री अमरलाल, 306, पुरवा तर्तहर हुनैन, भरठः (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदां का, जे। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित, रेलवे रोड़, ताहिर हुसैन, मेरठ

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

M-673 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 3903 situated at Purwa Tahir Hussain (and more fully described in

the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration. No. 3903 dated 22-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Shri Harish Chandra,
 S|o. Sri Kisan Lal and Smt. Dayawati,
 W|o. Sri Ramesh Kumar,
 D/o Kisanlal, Railway Road,
 Purwa Kamboh Gate, Meerut (Transferor)

2. Shri Harbans Lal Dharam Singh & Naresh S/o. Amer Lal,

306, Purwa Tahirhussan, Meerut (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Railway Road, Tahil Hussan, Meerut. Date: 26-11-84. SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं एम 676/84-85:— प्रतः मुझे, जे०पी० हिलोरी, श्रायफर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से श्रधिक है और जिसकी सं०124 है तथा जो

कस्तला, शमसेर नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, में उ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार पूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त पम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तिवक एप से किथत नहीं किया गया है:

- (क) भ्रन्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्व मे कमी करने या उससे वचने मे मुविधा के लिए शौर/या
- (ख) ऐमे किली श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए।

श्रतः श्रव इक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, श्रधीत :——

- 1. श्री काल निह पिसर, श्री बख्तावर सिहं, कस्तला श्रमणेर नगर, मेरठ (श्रन्तरक)
- 2 श्री तंत्रर पाल पिनर, गजपत सिंह, धीर सिंह, शजीत सिंह एवं छुष्ण पाल पुत्र श्री कालू सिंह, बस्ता। अमसेर नगर, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहिया णुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूत्रना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

and the contract of the contra

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त भव्दां श्रीर पदां का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्र**ाम्**भ्र

खेत स्थित, कस्तला शमशेर नगर, भरड

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लाग न हो उसे काट दीजिए।

M-676/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 124 situated at Kastla Shamsheragar, Meerut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 4242 dated 28-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

- Shri Kalu Singh Pisar Shree Bakhtawar.
 Singh, Kastla Shamshernagar, Meerut.
 (Transferor)
- 2. Shri Kanwarpal Pisar, Gaipat Singh, Dheer Singh, Azit Singh & Krishanpal, Slo Sri Kalu Singh, Kastla Shamsher Nagar, Meerut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land at Kastla Shamsher Nagar, Meerut.

Date . 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-652/84-85.-- यतः मुझे जे. पी. हिलोरी, ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उपत ग्रंधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 1,00,000 ह० से भ्रधिक है और जिसकी सं० 231/34 है। तथा जो राजनगर, गायिजाबाद में स्थित है (श्रीर इसपे उपावत अतुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 21-3-84 को पूर्वीवन सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है अन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों रो युक्त भ्रन्तरण, निखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आया हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ब्यव्तियों, श्रथिन:---

 श्री केदार नाथ ग्रानन्द, पुल श्री राम नात ग्रानन्द, ए-32, कृष्णापुरी, मोदी नगर, जलालाबाद, जि. गाजियाबाद (ग्रन्तरिती) 2 श्रीमती कान्ता दत्ता पत्ती महेन्द्र प्रताप दत्ता 36-बी. श्रणोक विद्वार, दिल्ली-52 (श्रात्रक)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू कण्ता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति के द्वारा ।
 - (ख) इस सूचाा के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

231/34, राजनगर, गाजियाबाद

तारीख 26-11-84

मोहर

*जो लाग न हो उसे कार दीजिए।

M-652|84-85.—Whereas, I, J. being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable prope ty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. R-3|34, situated at Raj Nagar Ghaziabad (and morefully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21501 dated 24-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. S'ui Kedar Nath Anand S/o Shri Ram Lal Anand A-32, Krishan pur, Modi Nagar, Jalah bad, Distt. Ghaziabad. (Transferee)
- 2. Smt. Kanta Dutta W/o Mahendra Pratap Dutta, 36-B, Ashok Bihar, Delhi-52. (Transforon)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Raj Nagar, Ghaziabad.

Date: 26-9-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं एम 646/84-85---- प्रत० मुझे जे० पी० हिलोरी, ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्च।त् 'जनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विगवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/-रु से अधिक है और जिसकी सं में स्थित है (और इससे जगाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नोएड। में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिकल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफ़ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तिरयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त शन्तरण, निखित में वास्तविक रूप से कथित नही क्षियः गया है।

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, भायकर भिराधिनयम, 1961 (1961 का 43) के भिर्धान - === ___

कर देने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुध्या के लिए और/मा

(ख) ऐसे निका प्राय या किनी घन या पन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रीयितियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

ग्रतः ग्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अन्-सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधोन, निम्नोलखिन व्यक्तियों अथित :--

- श्री धनश्याम दास सुपुत्र सूरजभान, 2083/162, विनगर, दिल्ली-55 (ग्रन्तरक)
- र्म० क्वालिटी लेमीनेटर्स प्रा० लि०, द्वारा श्री शिजय डालिमया, 6 क्लाइव रो, कलकत्ता (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन, की तारीख से
 45 दिन की अवधि, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भो अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति
 में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनबद्ध किनी अन्य ठाक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसनं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्राध-कर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ब्रध्याय 20क में परिपाषित है, दही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिशा गया है।

श्रनुसूची

सारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लाग न हो उसे काट दीजिए।

 tered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Noida under registration No. 47273 dated 19-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Ghanshyam Dass, So Suraj Bhan, Ro 2083 162, Tri Nagar, Delhi-55.

(Transferor)

2. M|s. Quality Laminator's (P) Ltd. through Shri Vijay Dalmia 6, Clive Row, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-681/84-85. — ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, ग्राथकर ग्रधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गथा है) की धारा 269 ख के ग्रधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ से भ्रधिक है और जिसकी

सं० है सथा जो मुकराब पुर, सरधना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख 13-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से प्रधिक है प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त प्रन्तरण, लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (म) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, आधकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कनी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त श्रधिनियम की धारा 269ण के धनु-सरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 का की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—→

 श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री प्यारे राम, या. एवं पोस्ट, पथौली पर० सरधना, जि. मेरठ

मन्तरक

 श्रीमती इन्द्रा पत्नी डा. श्रवधनाल सिंह, ग्राम एवं पोस्ट सिवाय, जमाल उल्लापुर, प. दौराला, सरधना,

जिल मेरठ

अन्तरिसी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं प्रर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट सुकरमपाल ग्राम, मुकरबपुर, परगना—दौराला, तह . सरधना, जिला . मेरठ

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जी साग् र हो उसे काट दीजिए।

M-681 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Mukrabpur Sardhana (and more fully described in the schodule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut, under registration No. 1187 dated 13-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- Shri Harpal Singh S/o Sri Pyare Ram Vill. & P.O. Patholi, Par. & Teh. Sardhana, Distt. Meerut. (Transferor)
- Smt. Indra W/o Dr. Awadhpal Singh, Vill. & P.O. Sivaya Jamaullapur, Teh. Sardhans, Distt. Meerut. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Vill. Mukarbpur Palahda Par. Doraola Teh. Sardhana, Distt. Meerut.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

कानपुर, 27 नवम्बर, 1984

निर्देश नं. के-33/84-85.-- ग्रतः मुझे जे. पी. हिलोरी, भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसके परभात् 'उम्त ग्रधिनियम ' कहा गया है) की धारा 269 ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- से प्रधिक है और जिसको स० 128/एच-2/39 है तथा जो किदवाई नगर, कानपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख 2-3-84 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रन्तरक (श्रन्तरकों) **भौर भ्र**न्तरिती (भ्रन्तरियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भन्तरण, निखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी भाय की बावत, आयकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे बचने में सुनिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

त्रतः श्रव युक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों श्रथीत्:—

 श्रीमती सुमन देवी मिश्रा, पत्नी स्व. विजयश कर मिश्रा, निवासी 50/58 माधी होली, कानपुर (श्रन्तरक) श्री योगेन्द्र कुमार भसीन, 128/एच-2/39, किदवाई नगर, कानपुर

(भ्रन्तरिली)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हूं। उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थ वर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदों का, जो श्राय-कर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसुची

मं. नं. 128/एच-2/39, किदबाई नगर, कानपुर

तारीख: 27-11-84

मोहरः

*जो लागु न हो उसे काट दीजिए।

Kanpur, the 27th November, 1984

K-33|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 128 H-2|39 situated at Kidwai Nagar Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 4478 dated 2-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Smt. Suman Devi Mishra, W/o Late Vijay Shanker Mishra, 50/58 Madho Toli, Kanpur, (Transferor)
- 2. Shri Yogendra Kumar Bhasin, 128/H-2/39 Kidwai Nagar, Kanpur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

128/H-2/39 Kidwai Nagar, Kanpur.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-39/84-85.--अप्रतः मुझे जे. ,पी. हिलोरी, भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- से श्रधिक है श्रीर जिसको सं०124/674-बी, है तथा जो गोविन्द नगर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी कायलिय कानपूर में. र्राजस्दीकरण को श्रधिनियम, 1908 (1908 . का 16) तारीख 5-3-84 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है घन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर घन्तरिती (घन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्यों में युक्त श्रन्तरण, लिखिन मे वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः अब मुक्त अधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ख की उप धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:--

- श्री केवल किशोर पान्डे, पुत्र श्री प्रभू णंकर पांडे, नि. ग्रा, नवली, पर०—श्रीरेथा, जिला इटावा हाल नि. 124/674-की, ब्लाक बी, गोविन्द नगर, कानपुर (श्रन्तरक)
- श्री सदाणिव शर्मा, श्रात्मज, श्री विन्देश्वरी प्रसाद शर्मा, निवासी बंगला नं. 14 बी, नार्दन रेलवे लोको गोड, रेल बाजार, कानपुर (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

मं. नं. 124/674-बी, ब्लाक गोबिन्द नगर, कानपूर

तारीख: 27-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

K-39|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. 124|674 situated at 124|674 B-Block Govind Nagar,

Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 4669 dated 5-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kewal Kishore Pandey, S/o Prabhu Shanker Pandey, 124/674-B Govind Nagar, Kanpur (Transferor)
- Shri Sadashiv Sharma S/o Shri Bindeshwori Pd. Sharma, 14-A, Northern Railway Loco Shed, Rail Bazar, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazettee or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

124|674 B-Block, Govind Nagar, Kanpur.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-40/84-85 — ग्रतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम 1861 (1961 का 43) (जिसे इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' बहु। मया है) की धारा 209-ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
आधीन तारीख 6-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम से कम बुण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक
है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिख त
उद्ग्यों से युक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त श्रधिनियम की धारा 269ण के समुसरण मे मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:——

- श्री लक्ष्मण प्रसाद, भ्रग्नवाल ट्रस्ट
 35/55, खास बाजार द्वारा श्री भ्रानन्द कुमार
 भ्रग्नवाल, पुल राम लाल श्रग्नवाल, 36/88 बंगाली
 मोहाल, कानपुर (श्रन्तरक)
 - श्रीमती बीना देवी, पत्नी नरेन्द्र कुमार म्रादि नि. 24/43 बिरहाना रोड, कानपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-स में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

तारीख 27-11-84

मोहर

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

K-40 84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at...... (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5275 dated 6-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Laxman Pd. Agrawal Trust Through Anand Kumar Agrawal S|o Ram Lal Agrawal, 36|88 Bangali Mohal, Kanpur (Transferor)
- 2. Smt. Veena Devi Wo. Narender Kumar, 24 43, Birhana Road, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Date: 27-11-84

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेण नं. के-45/84-85--- प्रतः मैं जे. पी. हिलोरी, आयार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के (जिसे इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विखास करने का कारण है ि स्थावर समाति जिसका उतित बाजार मन्य 25,000/-से अधिक है और जिसकी सं० 55/51 है तथा जो जनरल गंज, कानपुर में स्थित है (ओर इसने उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुग्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के निए और/पा
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था आपकर अधिनियम 1961 (1961का 43) था धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रशट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुधिया के लिए

अतः अत उक्त अधिनिनम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियो अर्थान्:--

 श्री विजय कुमार केडिया पुत्र स्व. जीवन राम, श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी विजय कुमार, निवासी 49/48 जनरल गंजा, कानपुर (श्रान्तरक) मै सागर मन बनारमी दाय,
 58/47, बिरहाना रोड,
 कानपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर के पूर्वीक्त वाक्तियों में से जिसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दि। के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे?

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जा आयकर अधिनिथम 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है। अनुसुची

म. नं. 55/51, जनरल गज, कानपुर

तारीख 27-11-84

मोहर:

*जो लागून हो उसे काट दीजिए।

K-45|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovablee property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 55|51 situated at G-Ganj, Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6864 dated 31-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and lot;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Vijai Kumar Kedia Slo Jiwan Ram Rukmini Devi Wlo Vijai Kumar 49|48, General Ganj, Kanpur (Transferor)
- 2. Mls. Sagarmal Banarasi Dass 54 47, Birhana Road, Kaupur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

55/51, General Ganj Kanpur.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-46/84-85 -- ग्रात मझे हे. पी. हिलोरी, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास बारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25000/- से प्रधिक है और जिसकी सं. 12/एम 508/7 है तथा जो जहीं कथा, कानपूर में स्थित है (भ्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख 15-3-85 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य में कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रिक्तिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से प्रधिक है भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) स्रार प्रन्तरिती (श्रन्तरेयां) कै बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखत उद्देश्यं। से युवन अन्तरण, लिखित में वास्ता वक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रस्तरण में हुई किमी श्राय की वाबन, श्रायकः श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) के अश्रीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में सुविता के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः श्रव युक्त श्रिधिनियम की धःरा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :—

- माबिती देवी वेवा श्री रुपचन्द, निवासी 111-ए/106, ग्रशोक नगर, कानपुर श्रादि (धन्सरक)
- श्री विनोद कुमार भाटिया.
 पुत्र श्री करम सिंह भाटिया
 सं. 126/बी/71, गोविन्द नगर.
 कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्र**नु**सूची

म न 1.27/5 ब्लाक 508/7 ्ही क्रेपा, कानपुर तारीख: 27-11-84

मोहर:

*जो लागू र हो उसे काट दीजिए ।

K-46|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of

the Income tax Act, 1961 (45 of 1961), hereinafter reterred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 127|5 Block 508|7 Juhi Kala Kanpur (and morce fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5312 dated 15-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfeer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Savitri Devi W/o'Roop Chand 111 A/106 Ashok Nagar, Kanpur. (Transferor)
- 2. Shri Vinod Kumar Bhatia Slo Karam Singh Bhatia 126|B|71 Govind Nagar Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazettee or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

127|5 Block|508 7 Juhi Kalan, Kanpur.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-5.7/8.4-85.—-प्रतः मझे जे. पी. हिलोरी भायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन संजम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ वर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25000/- में ग्रंधिक है ग्राँर जिसकी सं. 111/60 है तथा जो अशोक नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रांर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, राजस्द्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भ्ल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुर्थमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविद्या के लिए

अतः भव युक्त अधिनियम की धारा 260 । के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथति :--

 श्री मान सिंह मेठी ग्रात्मज सरवार जोधसिंह सेठी,

111/60, ग्रणोक नगर, कानपुर (ग्रन्तरक)

 श्री अगदीश सदीजा पुत्र सोक्सल श्रीमती मीरादेवी पत्नी मनोहर लाल, निवासी 75 सी. विवेकानन्द रोड़, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख के
45 कि भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहरनाक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त मध्यों ग्रीर पदों का, जो ग्र कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मं. न. 111/60, ग्रशोक नागर, कानपुर

तारीख: 27-11-84

मोहर:

*जो लागून हो उसे काट दीजिए।

K-57|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 111|60 situated at Ashok Nagar Kan. (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5279 dated 15-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Mansingh S/o S. Jodh Singh Sethi 111/60 Ashok Nagar Kanpur (Transferor)
- Shri Jagdish Sadiza S/o Sorumal Smt. Meera Devi W/o Manohar Lal 75-C Vivokanand Rd. Calcutta (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the afores...id persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or

a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 111/60 Ashok Nagar Kanpur.

Date: 27-11-84

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश नं ० ए-284/84-85 --अतः मुझे जे०पी० हिलोरी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम ' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-से अधिक है और जिसकी सं० 457, 458, 459 है तथा जो गंगीरी में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रतरौली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे कह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्नरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा 1202 GI/84--7

- (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अयित् :---
 - श्री रनसिंह, जीवन सिंह, गशिपाल सिंह, पुत्रगण इनामी सिंह नि. वा. हातिमपुर, पा. शिकारपुर, तह. जिला श्रनीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. रामाधीन पुत्र कन्ही जाहर पुत्र रामाधीन, ग्राम उवरा, जि. मथुरा (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाह्या शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खमरा न ० 457,458, मौजा नरकन, पर. गगीरी तह. श्रतरौली, जिला श्रलीगढ़ तारीख: मोहर:

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

A-284 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being c Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. 457, 458 situateed at Gangiri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Atrauli under registration No. 1079 dated for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Ram Singh Jeevan Singh, Shashi Pal Singh S/o Inami Singh, R/o Vill. Hatimpur Post Sikurpur Distt. Alıgarh (Transferor)
- Shri Ramadheen, S/o Kanhi, Jawaher S/o Ramadheen, R/o Vill Ubra Distt. Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 457, 458 at Maujei Narkam, Per Gengin Teh. Atrauli Distt. Aligarh.

Date 27-11 84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं० ए-448/84-85 .--अतः मुझे जे०पी० हिलोरी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जनकपूरी भ्रालीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रालीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-3-84 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वार्तिवक रूप से कथित नहीं किया गर्या है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थ कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग को उन्धारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- हरी भोम गुष्ता पुत्र स्वर्गीय श्री नेमीचन्द,
 गुष्ता नि. सराय पुछता, अलीगढ बहुँ सियत
 मुख्तार आम श्री प्रताप सिंह पुत्र सुवर प्रताप
 भान मिंह निवासी मोनू विबलाजेले राड, अलीगढ़
 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रनुराधा गुप्ता पत्नी श्री बैजनाय गुप्ता नि. 192, सराय पुषता, श्रलीगढ़

को यह सूचना, जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्गन के लिए कार्यवाहियाँ सुरू करता हूं। उक्त सम्मित्त के अर्गन के सबंध में कोई भी काक्षीय:---

- (क) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन को नारीख़ से 45 दिन की अविध, या तत्संबंधों व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :---

·लाट स्थित जनकपुरी **भ**लीगढ़

भारोख: 27-9-84

मोहर:

*जो लागू न हो उसे काट वीजिए।

A-448 84-85.—Where as, 1, 1. Hilori being the Competent Authority authorised by Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot situated at Janak puri, Aligath in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under (and more fully described registration No. 2053 dated 12-3-84 for an apparent gonsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Hari Om Gupta, S|o Late Shri Nemi Chand Gupta R|o Sarai Pukhta, Aliagrh via Mukhtasr Aam Shri Pratap Singh R|o Monu Villi Jail Road, Aligarh (Transferor)
- Smt. Anuradha Gupta Wlo Shri Baij Nath Gupta Rlo 193, Sarai Pukhta, Aligarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Janakpuri, Aligarh.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश न० ए-318/84-85 :—- ग्रत. मुझे जं० पी० भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000- से म्राधिक है म्रीर जिसकी सं० खेत है तथा जो इटावा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय इटावा में, रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908/1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 1-3-1384 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मृत्य , उसके दृश्यमान प्रतिकल ऐसे, से दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिणत से भ्रधिक है भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्यों से युक्त ग्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण में हुई किमी भ्राय की बाबत, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 48) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दॉयित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिये शौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये था. छिवाने में सुविधा के लिये

श्रव. श्रव युक्त अधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् ——

- श्री डा. गौर हिर्नि मिहिनिया पुत्र स्व० पदमपत मिहानिया नि. गंगाकुटी, कानपुर (श्रन्तरक)
 - श्री राजेन्द्र कुमार व वीरेन्द्र कुमार व रिवशंकर व ग्रामप्रकाण नि. कटरा कपूर चन्द, पुर्विया टोला, इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की ग्रविध, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा (ख) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकगे।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त गव्दों भीर पदों का जो आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत स्थित इटावा

तारीख: 27-11-84

मोहर:

*जो लाग् न हो उसे काट दीजिए।

A318/84-85. Where as, I J.P. Hilori being the authorised Authority by Competent Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Agr. Land situated at Etawah (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawaha under registration No. 859 dated 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-lition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Dr. Gaur Hari Singhania S/o Late Padampat Singhania, Ganga Kutir, Kanpur. (Transferor)
- Shri Rajendra Kumar & Virendra Kumar, & Ravi Shanker & Om Prakash, R/o Katra Kapoor Chand, Purbiya Tola, Etawah (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or

- a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agrl. Land at Etawah.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. ए- 439/84-85:-- ग्रतः मुझे जे. पी. हिलोरी, श्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं.में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय अनीगढ़ में, रजिस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (भ्रन्तरको) भ्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो श्रथीत्:---

- श्री पुरवात्तम दाम, श्री हरीश चन्द्र, श्री लिलन मोहन, ग्रादि नि० द्वारिका पुरी, ग्रेनीगढ (अन्तरक)
- 2. श्री रधुवीर महाय, श्री मत्य भान जी, श्रीमती शान्ती देवी, प्रभा सक्तीना, मार्फत उमेग चन्द्र पुत श्रीरमेण दल्ला, श्रंडाचीक अत्रीगढ (अन्तरिती)

का यह सूचता जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्रक्षिय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की ख़बिध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की ख़बिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ध्रायकर श्रीधित्यम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ हागा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीखाः 27-11-84

मोहर:

*जो लागून हो उसे काट दीजिए।

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Purushottam Dass, Harish Chandra & Lalit Mohan, R/o Dwarkapuri, Aliga1h.

 (Transferor)
- 2. Shri Raghubir Sahai, Satya Bhanji Shanti Devi, Prabha Saxena, c'o Ramesh Dutt, Ghanta Chowk, Aligarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable,

हिलं री, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के स्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रु० ने श्रधिक है और जिसकी सं. 8 / 259 है तथा जो शिवपुरी अप्रतीगढ में स्थित है (ग्रांर इमसे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय अलीगढ में, रजिस्ट्री-करण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 9-3-84 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ(पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सृविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रबः, उक्त अधिनियमकी धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थानः ---

- श्री उदय चन्द शर्मा, पुत्र श्री तोताराम शर्मा नि. शिवपुरी, ग्रालीगढ़ हाल निवासी, रामसागर मिश्रा नगर लखनऊ (ग्रान्तरक)
- 2. श्रीमित मथुरा देवी, पत्नी राम लाल, व श्रीमिती विद्या देवी पत्नी डोरीलाल नि० शिवपुरी, अतीगढ़ व श्रीमिती शकुन्तला देवी पत्नी निरजंन लाल नि. हरीश्राम नगर, मलीगढ़ (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, या तःसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8/259 शिवपुरी भ्रानीगढ़

सः रीख : 27-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

No. A-436|84-35.--Whereas, I J.P.Hilori being the Competent Authority authorised by the Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 8|259 situated at Shivpuri, Aligara (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 1989 dated 9-3-84 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the ob-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth--tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Udai Chand Sharma, S/o Tota Ram Sharma, Present Address, Ram Sagar Mishra Nagar, Lucknow. (Transferor)
- Smt. Mathura Devi W/o Ramlal Smt. Vidya Devi W/o Dori Lal, Hari Om Nagar, Aligath. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

8/259 Shivpuri, Aligarh.

Date: 27-11-84

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निदेण ने० ए-४३५/8४-85 .---अतः, मुझे, जे० पी० हिलोरी, आयगर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सध्यत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसको सं० 2012 काउरी है तथा जो जेल रोड, भनीगढ़ में स्थित है (और इससे उनाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय श्रलीगढ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 9-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुंखें यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अपसे बचने में मुविधा के लिए और, या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः, अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उर-भारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- कर्नल ए.म. ताजउदीन पुत्र माहम्मद, नूकदीन, निवासी कोठो मेन्स, निका रेलवे कार्सिंग, नुमाइण रोड, श्रनीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. महीपाल सिंह पुत्र श्रो दीप सिंह, नि० पालीरजा पुर तहमील कोल, जि. श्रतीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा, (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीखं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- -इसमें प्रयुक्त गड्यां और पदों का, जो उका अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूची

काठरी मय श्रारजी, स्थित जेल राइ, श्रलीगढ़।

तारोख: 27-11-84

माहर:

*जो लागून हो उसे काट वीजिए।

A-435/84-85.—Whereas, I J.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Kothari situated at Jail Road, Aligarh (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under, the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under Registration No.2012 dated 9-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Col. M. Tazuddin S/o Md. Nuruddin, R/o Kothi Mens, Near Railway Crossing, Numaish Rd., Aligarh (Transferor)
- 2. Shri Mahipal Singh S/o Deep Singh, R/o Pali Razapur, Teh., Kol, Distt. Aligarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Kothari with Araji situated at Jail Road, Aligarh.

Date: 27-11-84

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० ए-449/84-85 .-**-**अतः जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269 ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य क० 1,00,000 से अधिक है और जिसकी है तथा जो अगोला पाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख 20-3-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भ्रह्य कम केद्रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्त-लिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिल्हें भारतीय आयकर अधि-नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो

द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत., अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमतो रिजया खुर्शीद बेवा, सहाव जादा खुर्वीद, श्रहमद खां, सा. श्राफनाव मंजिल, श्रलीगढ़, (अन्तरक)
- 2. श्रीमतो साजदा क्षेपम पत्नी हाफिज उल्ला खां, ग्रादि, नि. भ्रापूप शहर राष्ट्र जमासपुर, धनीयढ (भ्रत्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धे में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से ⊈5 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारींख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि स्थित श्रंगोला पाली, तह. कोल, जिला श्रलीगढ़।

तारीख: 27-11-84

मोहर:

*जो लाग न हो उसे काट दीजिए ।

Ref No. A-499|84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No Plot situated at Angola Pali (and more fully described in the Schedule below) has been

transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 2183 dated 20-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Rajia Khursheed Vaano W/o Sabibjada Khursheed, Ahmad Khan, R/o Aftab Manzil Aligarh. (Transeror)
- 2. Smt. Sazda Begam W/o Hafiz Ullah Klan etc. R/o Anup Saher Road, Jamalpur Aligarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land at Amgdapally, Ich. Kal Disit. Aligarh.

Date: 27-11-84

SEAL:

भारत को राजपक्षः चलाधारण

*Strike off where not applicable.

निदेश सं. ए-434/84-85. --- अतः नुझे जं०पी⁰० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) का धारा 269-ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिल्हा सं. कोठो है तथा जो जेलराड प्रलीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रलीगढ़ में, रजिस्दी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 9-3-84 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्यों से युक्त अन्तरण, निखित में वास्तिविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- कर्नल एम० तल्जदीन सुप्त माहष्मद नूरूदीन.
 नि०--कोठी मेना, तिकट रेलवे कार्मिंग, नुमाईस रोड, अतील्ड (अन्तरक)
- 2. श्रीमती राजबाला सिंह पत्नी युवराज सिंह घ श्रीमती बीन निंठ पानी डा ए पी. सिंह, व श्रीसती, श्रीनना हिंह पत्ना शैलेन्द्र पाल सिंह नि०—पाली रजापुर तह कान, जिला श्रीमिट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में अकायन की तारोख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गव्दों और पदों का, जो शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी स्थित जेल रोट श्रलीगढ़

तारीख: 27-11-1984.

मोहर:

*जो लागू र हो उसे काट दीजिए।

PR No. A-434/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Kothi Jail Road (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 2015 dated 9-3-84 for an apparent consideration which is less than the fare

market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly dated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Col. M. Tujuddin S/o Mohamad Nooruddin R/o Kota Mens, Near Railway crossing Numuish Road, Aligarh (Transferor)
- 2. Smt. Raj Bale Sinch W/o Yuvraj Singh, Smt. Veena Singh W/o Dr. A.P. Singh R/o Pali rajapur, Teh. Kol Distt. Aligarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Kothi at Jail Road Aligarh.

Date: 27-11-84.

SEAL:

*Strike off where not applicable.

कानपर, 26 नवम्बर, 1984

निदेश नं. एम 523/84-85-- ग्रनः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 716 है तथा जो काबहात में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रोकरां अधिकारी के कार्यालय कैराना में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारोख 2-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिचित उद्दर्शों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/मां
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भाएतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुर्विधा के लिए:

धतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान्:—

श्री जहाना पुत्र जीत सिंह जाट ,
 नि. कावडोत, प्रा. गाभलो, कौराना,
 जि. मुजक्कर नगर, (भ्रान्यक)

श्री ब्रम्ह पाल मिह पुत्र प्यारे लाल जाट,
 नि. कावडोत, प्र. शामली, कैरानी
 जि. मुजफ्फर नगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्धोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भो आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर
 सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में

हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधंहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त गढ़दों और पदों का, जो आय-कर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया है। अनसुची

खाला नं. 716 स्थित काबडात मू. नगर

तारीख: 26-11-84.

मोहर:

*जो लागु न हो उसे काट दीजिए।

Kanpur, the 26th November, 1984

M-523/84-85. Whereas, I J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding R₃, 1,00,000 and bearing 716 situa.ed at Kobdote (and more fully No. described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 1227 dated 2-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncy or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Jahan S/o Jeet Singh Jat, R/o Kabdot, Pargana Shamli, Krirana, Distt. Muzaffer Nagar. (Transferor)
- Shri Braham Pal Singh S/o Peyaraylal Jat,
 R/o Kabdot, Pargana Shamli, Kairana
 Distt. Muzaffer Nagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khata No. 716, Village Kabdot, Muzaffernagar.

Date: 26-11-84,

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-555/84-85:--ग्रतः मुझे जे.पी. द्रीलोरी, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिधम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रंथीन संभम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 र० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं. 235 है तथ। जो डैम्पियर नगर में स्थित है (मीर इसते उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीज 1-3-34 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिविक है ग्रन्तरक (ब्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) यन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, ग्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसवे बचों में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर भ्राधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए थ', छिपाने में सुनिधा के लिए:

भा: भव युक्त श्रधिनियन की धरा 269-ग के भनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीतु:--

- 1. सुरेश चन्द शर्मा पुत्र गोपाल चन्द नि० 57-ए राज पुर रोड बेहरादून (ग्रन्तरक)
- राजीय बंसल, राजेश बंसल पुत्र रूपिकशोर बंसल नि. डैम्पियर नगर, मथुरा (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील 30 की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोस्हताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पवों का, जो भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भट्टपाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होंगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

धनुसूची

80 डैम्पियर नगर, मधुरा

तारी**व**: 26-11-84

मोहर:

***ओ लाग् न हो उसे काट दीजिए।**

M-555/84-85. Whereas, I J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 80 situated at Daimpear Nagar (and more fully described

in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 235 dated 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Suresh Chand Sharma, S/o Gopal Chand, R/o 57-A Rajpur Road, Dehradun (Transferor)
- 2. Shri Rajeev Bansal, Rajesh Bansal, S/o Roop Kishore Bansal R/o Daimpear Nagar, Mathura (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

84 Daimpear Nagar, Mathura.

Date:: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम- 554/84-85:-- अतः मुझे, जे. पी. हीलोरी, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- २० से अधिक है श्रीर जिसकी सं. 80 है तथा जो डेम्पोयर नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1-3-84 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुर्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रथीत् :—

- गुरेण चन्द भर्मा, पुल गोपालवन्द
 नि. 57ए राजपुर रोड,
 देहराद्वन । (अन्तरक)
- श्री राजीम बंसल व रमेश बंसल
 पुत्र रूपिकशार बंसल
 नि. डेम्पियर नगर, मथुरा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
45 विन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी
श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो भ्रायकर श्राधनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 80 डेम्पोधर नगर, मथुरा

जारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू न हो उसे काट वीजिए।

M-554/84-85.—Whereas, I J.P. Hilmi, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 80 situated Dempear Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registered Officer at Delhi, under Registration No. 334 dated 1-3-84 for an apparent cosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and ransfefrec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Suresh Chand Sharma, S/o Gopal Chand, R/o 57-A Rajpur Road, Dehradun (Transferor)
- 2. Shri Rajeev Bunsal, Ramesh Bansal, S/o Roop Kishere Bansal, R/o Dempear Nagar Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No 80, Dempear Nagar, Mathura.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. ्म – 581/84-85----प्रतः म्झे, जे. पी. हिलोरी, श्रायकर श्रधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास इतरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से ग्राधिक है और जिसकी सं. 80 है तथा जो डैम्मियर नगर में स्थित है (और इसमे उप बढ़ ग्रन्सूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय देहली में, रजिस्द्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रजीन तारीख 1-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यम न प्रतिकल से, ऐसे दुप्यमःन प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, भ्रायकर ग्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अंतरक के दायित्व मे कवी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किनी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत. ग्रत्र उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त ग्रीधानियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्री पुरेश चन्द्र शर्मा पुत्र गोपान चन्द्र शर्मा (भ्रन्तरक) निवासी 57-ए, राजपुर रोड, देहर पूत
- 2. श्री राजीव बंगल व राजेश बमल, पुत्र श्री रूप किसार बंसल, (अन्तिरत्ते) (नवासी डै।स्ययर नगर, सपुरा । को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन िलिए कार्यवाहियां श्रुष्ट करना हूं । उश्न सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कीई भी श्राक्षेप:--
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की म्रवधि, या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्राप्रशि, जी भी श्रवधि बाद मे समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गर्रान्त के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा महींगे।

स्पष्टीवारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो दा, जो भाव-कर प्रधितियम, 1961 (1961 का के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमुची

80 डैम्पियर नगर, मथ्रा।

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair maket value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 80 situated at Nagar, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 236 dated 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprty by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for

such transfer as agreed to between the transfer(s) and

transferee(s) has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :

M-581 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have

not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- 1. Shri Suresh Chand Sharma So Gopal Chand Sharma Road, Dehradun. (Transferor)
- 2. Shri Rajeev Basan, Rajesh Bansal Slo. Roop Kishore Bansal Rlo. Daimpear Nagar, Mathura. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by an j of the aforesaid person within a periol of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used here. in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

80 Daimpear Nagar Mathura.

Date: 26-11-84.

SEAL .

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-582/84-85: -- अतः मृझे, जे. पी. हीलोरी, श्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000 से म्रधिक है और जिसकी मं० 80 है तथा जो डैम्पियर नगर मथुरा में, स्थित है और इससे उपाबद ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिन्ती में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 1-3-84 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है अंतरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त ग्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी बारों या उससे बचने में मुनिधा के लिए और/पा
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्राय श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीतः---

- श्री मुरेशवंद सर्मा पुत्र गोताल चंद
 ति० 57-१ राजपुर रांड, देहराझून । (झन्तरक)
- श्री राजीव बंसल व राजेश बंशल पुत्र रूप किशोर वंसल

नि. डैम्पियर नगर, मथुरा। (अन्तरिती) को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप: --

- (क्ष) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त मान्दीं और पदों का, जो आधकर अविनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

म.नं. 80, स्थितं उँम्पियर नगर। मथुरा का पूरा भाग।

जे.पी. हिलारी

सहायक भायकर ध्रायुक्त, निरीक्षण,

तारीख: 26-11-34

- श्रर्जन रेंज, कानएर।

मोहरः

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

M-582|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter

referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 80 situated at Daimpear Nagar, Mathura, (and more fully described in the schedule below; has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 237 dated 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferoi(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 2. Shri Rajiv Bansal & Rajesh Bansal, S|o Shri Rup Kishore Bansal R|o Daimpear Nagar, (Transferor)
- 2. Shri Rajiv Bansal & Rajish Bansal, S/o Shri Rup Kishore Bansal R/o Daimpier Nagar, Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a perod of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at 80, Dempier Nagar, Mathura.

J. P. HILORI, Competent Authority (Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax) (Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.